दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांकः 26.03.2022

प्रकाशनार्थ

दिनांक 26 मार्च 2022 गोरखपुर। ''दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा एक दिवसीय विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। **विषय–'' वैष्णव धर्म का वर्तमान समय में प्रासंगिकता।**'' कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के आचार्य डॉ. रामप्यारे मिश्र जी थे। उन्होने वैष्णव धर्म पर उद्बोधन देते हुए कहा कि वैष्णव धर्म उदारवादी धर्म था। भगवान विष्णु और उसके स्वरूपों को आराध्य मानने वाले सम्प्रदाय वैष्णव सम्प्रदाय है। प्राचीन भारतीय बौद्ध धर्म एवं जैन धर्म का मूल तत्व वैष्णव धर्म से ही निकला है। प्रो. मिश्र ने वैष्णव धर्म पर विस्तार पर चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने किया उन्होनें अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि वैष्णव धर्म ऐसा धर्म है जिसने सैद्धान्तिक स्वरूपों में अवतारवाद को स्थापित किया अवतारवाद का प्रथम प्रस्तोता वैष्णव धर्म है।

विषय प्रर्वतन एवं मुख्य अतिथि का संक्षप्ति परिचय प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. धीरेन्द्र सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कामिनी सिंह तथा आभार ज्ञापन प्रियकां गुप्ता ने किया। इस अवसर पर अन्य विभागों के शिक्षकगण डॉ. सत्यपाल सिंह, डॉ. विवेक शाही, डॉ. इन्द्रेश पाण्डेय, डॉ. दुर्गा प्रसाद, शोध छात्र ओमकार, दिव्या वर्मा एवं छात्र/छात्राएं उपस्थित रहें।

प्रो. (ओम प्रकाश सिंह)
प्राचार्य